

सप्रीति क्रि.वि. (तत्.) प्रेमपूर्वक, प्रेम के साथ।

सफ पुं. (अर.) 1. गाय आदि का खुर 2. पेड़ की जड़।

सफ स्त्री. (अर.) 1. पंक्ति, कतार 2. सेना की पंक्ति 3. बिछाने की चटाई 4. बिछौना, बिस्तर 5. रेखा, लकीर।

सफजंग पुं. (अर.) 1. सेना की पंक्तियों का युद्ध 2. युद्ध क्षेत्र।

सफजंगी वि. (अर.) पंक्तिबद्ध होकर युद्ध के मैदान में आमने-सामने भिड़ने वाली (सेना)।

सफदर वि. (अर.) 1. युद्ध में बँधी पंक्तियों को तोड़ देने वाला, महावीर, महारथी, रणशूर 2. एक प्रकार का बढ़िया आम।

सफर पुं. (अर.) 1. यात्रा 2. प्रस्थान, कूच, पर्यटन, गमन 2. हिजरी सन् का दूसरा महीना 3. एक प्रकार की मछली जो छोटी तथा चमकदार होती है।

सफर नामा पुं. (अर.) 1. वह पुस्तक जिसमें कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश में घूमने का विस्तारपूर्वक वर्णन करे 2. भ्रमणकथा, यात्रा वृत्तांत।

सफर भत्ता पुं. (अर.) यात्राव्यय, मार्गव्यय, सफर खर्च।

सफरमैना स्त्री. (अर.) वे सैनिक जो सेना के आगे-आगे जाकर सेना के लिए सुरंग बनाने व खाइयाँ आदि खोदने का काम करते हैं।

सफरा पुं. (अर.) पित्त वि. सफरावी।

सफरी पुं. (अर.) अमरूद।

सफरी वि. (अर.) 1. यात्रा-संबंधी, सफर का 2. यात्रा में साथ ले जाने का।

सफरी स्त्री. (अर.) मछली।

सफल वि. (तत्.) 1. जिसमें फल लगे हुए हों, फलयुक्त (वृक्ष) 2. किसी उद्दिष्ट कार्य के अनुरूप परिणाम मिलना जैसे- विद्यार्थी का

परीक्षा में सफल होना 3. किसी अभिलषित वस्तु में कामयाब होना 4. परिश्रम के अनुसार परिणाम की प्राप्ति, परीक्षा में सफल छात्र 5. जो पशु बाँधिया न किया गया हो।

सफलक वि. (तत्.) जिसके पास फलक या ढाल हो।

सफलता स्त्री. (तत्.) (किसी कार्य में) सफल होने की अवस्था या भाव, कार्य सिद्धि कामयाबी।

सफला स्त्री. (तत्.) पौष मास के कृष्णपक्ष की एकादशी।

सफलित वि. (तत्.) 1. सफलतायुक्त 2. सफल (वृक्षों) से युक्त

सफलीकरण पुं. (तत्.) 1. सफल करने की क्रिया या भाव 2. पूर्ण करना।

सफलीभूत वि. (तत्.) जिसे सफलता मिली हो जो किसी उद्देश्य की पूर्ति में सफल हो चुका हो जैसे- सफलीभूत योजना।

सफहा पुं. (फा.) 1. तल, पार्श्व 2. किताब या पुस्तक का पृष्ठ, पन्ना।

सफा वि. (फा.) 1. साफ सुथरा, स्वच्छ 2. निर्मल, पवित्र 3. साफ करने वाला 4. रिक्त, खाली चोर ने दुकान का माल सफा कर दिया मुहा. सफा कर देना।

सफाई स्त्री. (देश.) 1. साफ या स्वच्छ होने की स्थिति या भाव, स्वच्छता, निर्मलता 2. मैल/गंदगी को दूर करने की क्रिया 3. साफ सुथरी बात करने की प्रवृत्ति 4. निष्कपटता 5. त्रुटि/दोष आदि से रहित होने की अवस्था 6. ऋण आदि की अदायगी 7. आरोपित दोष से रहित होने की अवस्था या भाव जैसे- विवाद या मुकदमे में दी जाने वाली सफाई।

सफाचट वि. (देश.) 1. जिसे ऊपर से पूरी तरह साफ कर दिया गया हो किसी तह पर जमी गंदगी को पूरी तरह हटा देना, पूरी तरह स्वच्छ कर देना 2. पेड़-पौधों, झाड़ियों से रहित मैदान 3. बिल्कुल पूरी तरह साफ-स्वच्छ पुं.